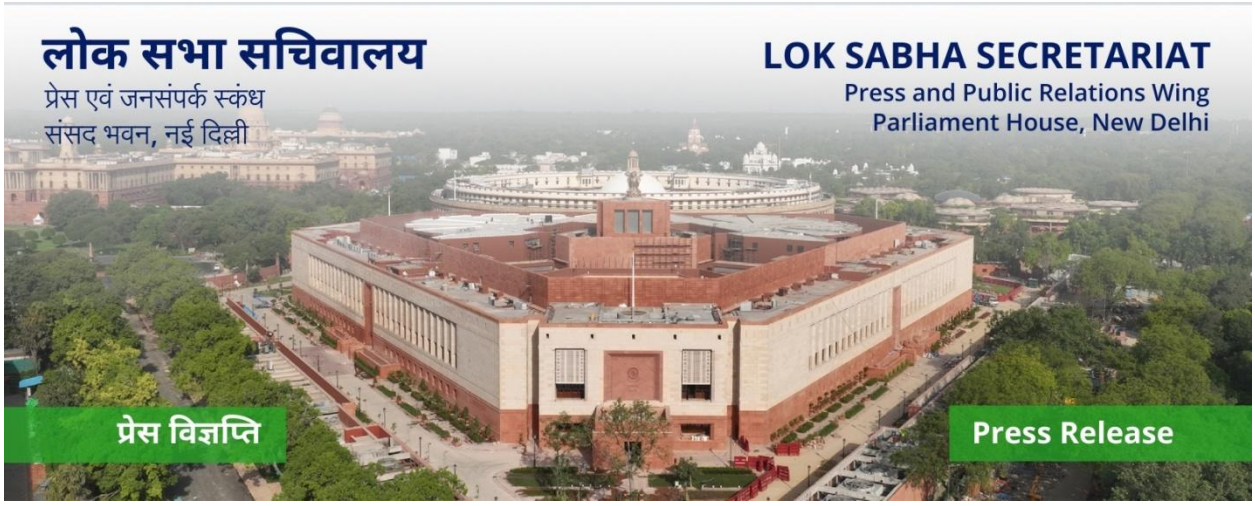

LOK SABHA SPEAKER OUTLINES ROADMAP FOR VIKSHIT BHARAT 2027, CALLS FOR SUSTAINABLE AND INCLUSIVE MODEL OF DEVELOPMENT/लोक सभा अध्यक्ष ने विकसित भारत 2047 के रोडमैप को रेखांकित किया

…

PRESENT ERA IN INDIA IS AN ERA OF ECONOMIC EMPOWERMENT AND INNOVATION: LOK SABHA SPEAKER/भारत का वर्तमान समय आर्थिक सशक्तिकरण और नवाचार का समय है: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA'S 'DEVELOPMENT-ORIENTED POLICIES' ARE PROVIDING NEW ENERGY TO OUR INDUSTRIES TODAY: LOK SABHA SPEAKER/भारत की 'विकासोन्मुख नीतियां' आज हमारे उद्योगों को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

PHDCCI IS ACTING AS A STRONG BRIDGE BETWEEN INDUSTRIES AND POLICY MAKERS: LOK SABHA SPEAKER/पीएचडीसीसीआई उद्योगों और नीति निर्माताओं के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य कर रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES MEMBERS OF PHD CHAMBER OF COMMERCE AND INDUSTRY IN NEW DELHI/लोक सभा अध्यक्ष ने नई दिल्ली में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सदस्यों को संबोधित किया

…

New Delhi; 16 April, 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today emphasised that the pillars of industry and commerce occupy a pivotal place in the Indian leadership's resolute commitment to transforming India into a fully developed

nation by the year 2047. To realize this national aspiration, Shri Birla called upon all stakeholders to embrace a model of development that is not only sustainable and enduring, but also inclusive, anchored firmly in the spirit of research, innovation, and forward-thinking enterprise.

Addressing at an event to mark at the 120th anniversary of the PHD Chamber of Commerce and Industry in New Delhi today, Shri Birla observed that 'development-oriented policies' of the Government of India are providing new energy to our industries today, adding that present era in India is an era of economic empowerment and innovation.

Outlining the roadmap for ‘Vikshit Bharat 2047’, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla said that nation's trade policy today is deeply rooted in the grand vision of a self-reliant India (Atmanirbhar Bharat) and reflects India's growing stature on the global stage.He observed that flagship programmes such as Make in India, Digital India, Gati Shakti, Bharatmala Pariyojana, Udaan Yojana, and the development of electronic manufacturing clusters are weaving a robust tapestry of industrial and commercial infrastructure across the nation. He further remarked that the simplification of industrial policies, the establishment of a transparent and investor-friendly tax regime, and the adoption of a single-window clearance system have significantly nurtured and emboldened the spirit of entrepreneurship in the country.

Shri Birla underlined that contemporary India has emerged as a beacon for global investors—a land where the ease of doing business is not merely an aspiration, but a reality. He noted with pride that India’s remarkable economic resurgence following the global pandemic serves as a source of hope and inspiration for the developing world, showcasing the nation’s resilience and its unwavering march toward inclusive growth and prosperity.

Shri Birla remarked that the nation is swiftly transcending its traditional role as a consumer-driven economy to emerge as a vibrant cradle of innovation and ingenuity. He lauded the transformative contributions of Indian enterprises—especially the dynamic ecosystem of Start-Ups—which, with their fresh perspectives and groundbreaking ideas, are paving the way for sustainable development and propelling India toward becoming a global superpower.

Shri Birla further highlighted the dawn of a new economic era in India—an era defined by the confluence of cutting-edge technologies such as Artificial Intelligence, Data Analytics, and a surge in innovation-led productivity. This synergy, he noted, is not only driving robust economic growth but also fostering a culture of transparency and efficiency. Turning to the digital revolution sweeping through the nation, Shri Birla drew attention to the phenomenal rise in digital transactions across the commercial landscape. He observed that this digital momentum is ushering in an unprecedented era of economic inclusion—one that is bridging the gap between remote regions and the heart of India's mainstream economy, thereby illuminating even the most distant corners of the country with the promise of progress and prosperity.

Shri Birla lauded PHDCCI for acting as a strong bridge between industries and policy makers, bringing forth informed insights and thoughtful recommendations that can guide the Government in crafting forward-looking, responsive policies. Shri Birla appreciated the commendable efforts of PHDCCI in nurturing and empowering the dynamic spirit of Indian women through visionary initiatives such as the Women Entrepreneurship Development Programmes and Networking and Mentoring platforms. These initiatives, he noted, have played a pivotal role in unlocking the vast potential of Nari Shakti, enabling women to emerge as powerful and influential participants in the realms of commerce and industry. He further observed that today, the presence and leadership of women in the economic landscape are no longer exceptions but a growing force that is shaping the future of Indian enterprise. Shri Birla emphasized that institutions like PHDCCI possess an intrinsic understanding of the aspirations, strengths, and challenges of the industrial ecosystem.

नई दिल्ली; 16 अप्रैल, 2025: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि उद्योग और वाणिज्य वर्ष 2047 तक भारत को एक पूरी तरह से विकसित राष्ट्र में बदलने के लिए भारतीय नेतृत्व की दृढ़ प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इस राष्ट्रीय आकांक्षा को साकार करने के लिए, श्री बिरला ने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे विकास के एक ऐसे मॉडल को अपनाएं जो न केवल स्थायी और टिकाऊ हो, बल्कि समावेशी भी हो, जो अनुसंधान, नवाचार और भविष्य उन्मुख सोच वाले उद्यम की भावना में दृढ़ता से आधारित हो।

आज नई दिल्ली में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 120वीं वर्षगांठ के अवसर पर उपस्थित विशिष्टजन को संबोधित करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत सरकार की 'विकास-उन्मुख नीतियां' आज हमारे उद्योगों को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग भारत में आर्थिक सशक्तिकरण और नवाचार का युग है।

'विकसित भारत 2047' के रोडमैप को रेखांकित करते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश की व्यापार नीति आज आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख अंग है और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, गति शक्ति, भारतमाला परियोजना, उड़ान योजना और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर के विकास जैसे प्रमुख कार्यक्रम देश भर में औद्योगिक और वाणिज्यिक बुनियादी ढांचे की एक मजबूत गाथा प्रस्तुत कर रहे है।श्री बिरला ने आगे कहा कि औद्योगिक नीतियों को सरल बनाने, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल कर व्यवस्था की स्थापना और एकल-विंडो मंजूरी प्रणाली को अपनाने से देश में उद्यमिता की भावना को काफी पोषित और सशक्त किया गया है।

श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि समकालीन भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरा है-एक ऐसा देश जहां व्यवसाय करने में आसानी केवल एक आकांक्षा नहीं है, बल्कि एक वास्तविकता है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि भारत का उल्लेखनीय आर्थिक पुनरुत्थान विकासशील दुनिया के लिए आशा और प्रेरणा का स्रोत है, जो राष्ट्र की समावेशी विकास और समृद्धि की ओर अटूट मार्च को प्रदर्शित करता है।श्री बिरला ने कहा कि राष्ट्र तेजी से नवाचार के एक जीवंत केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने भारतीय उद्यमों के परिवर्तनकारी योगदान की प्रशंसा की-विशेष रूप से स्टार्ट-अप के गतिशील इकोसिस्टम-जो अपनी विकास उन्मुख दृष्टिकोण और जमीनी विचारों के साथ सतत विकास के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं और भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर बढ़ा रहे हैं।

श्री बिरला ने भारत में एक नए आर्थिक युग की शुरुआत का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से देश ने विकास के नए आयाम हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि इससे भारत में पारदर्शिता और दक्षता की संस्कृति को भी बढ़ावा मिल रहा है।राष्ट्रव्यापी डिजिटल क्रांति की चर्चा करते हुए, श्री बिरला ने वाणिज्यिक परिदृश्य में डिजिटल लेनदेन में उल्लेखनीय वृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने देखा कि यह डिजिटल व्यवस्था एक अभूतपूर्व आर्थिक समावेशन के युग की शुरुआत कर रही है, जो दूरदराज के क्षेत्रों और भारत की मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था के बीच की खाई को पाट रही है, जिससे देश के सबसे दूरस्थ कोनों को भी प्रगति और समृद्धि से ओतप्रोत किया जा रहा है।

पीएचडीसीसीआई के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि पीएचडीसीसीआई उद्योगों और नीति निर्माताओं के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में काम कर रहा है। श्री बिरला ने महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम और नेटवर्किंग एवं मेंटरिंग प्लेटफॉर्म जैसी दूरदर्शी पहलों के माध्यम से भारतीय महिलाओं को बढ़ावा देने और उनके सशक्तीकरण में पीएचडीसीसीआई के सराहनीय प्रयासों की सराहना की और कहा कि इन पहलों ने नारी शक्ति की अपार क्षमता को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे महिलाएं की भागीदारी सशक्त रूप से सामने आ रही है।